

SALTOC Project

Title: Madhumatī

Imprint: Udayapura: Rājasthāna Sāhitya Akādamī

OCLC: 3195624

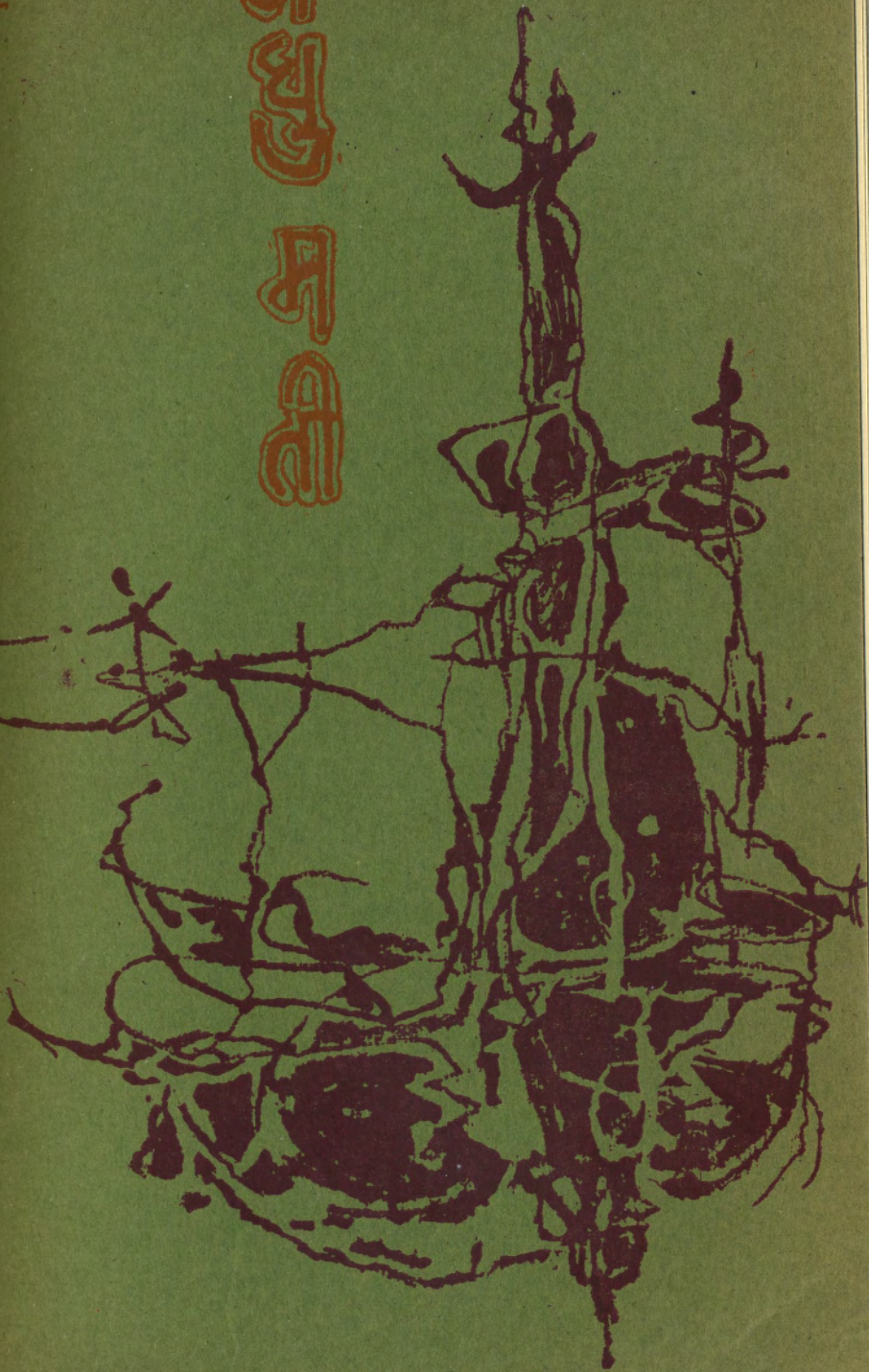
Volume 15: no 8, August 1976

TOC Supplied By: Columbia University Libraries

वर्ष १५
संक ८

अगस्त १९७६

मधुमती



राजस्थान साहित्य अकादमी (संगम), उदयपुर

मॉरिशस में

दिनांक 28, 29 व 30 अगस्त 76

को

आयोज्य

विश्व हिन्दी सम्मेलन

(द्वितीय)

को सार्थक सफलता के लिए

अकादमी-मधुमती

परिवार की शतशः

हार्दिक शुभ कामनाएं

राजस्थान साहित्य अकादमी,

उदयपुर (राजस्थान)

मधुमती

अंक : ८, वर्ष- १५ अगस्त १९७६ ई०

सम्पादक : नेम नारायण जोशी

प्रबन्ध सम्पादक : डॉ० राजेन्द्र शर्मा

निदेशक

अनुक्रम

सम्पादकीय : संतुलन की तलाश

कहानियाँ

- | | | | |
|-----------------|----|---|--------------------------|
| १. शेष होते हुए | १ | : | श्रीम प्रकाश |
| २. गुफा | ८ | : | शचीन्द्र उपाध्याय |
| ३. टूटटी सुबह | ११ | : | वृजेन्द्रकुमार चतुर्वेदी |
| ४. वसीयत | २० | : | मान्धाता राय |
| ५. सचाइयाँ | २६ | : | भगीरथ |

लेख

- | | | | |
|---|----|---|--------------------|
| ६. कनुप्रिया : सार्थक मूल्य स्तर
की खोज | ३१ | : | हरदयाल |
| ७. तमस : एक ऐतिहासिक
त्रासदी की सामान्य प्रस्तुत | ३८ | : | गोपाल राय |
| ८. मणि मधुकर के 'सफेद मेमने'
में नारी-व्यक्तित्व | ४५ | : | सुकीर्ति गुप्ता |
| ९. आठवें दशक का हिन्दी-उपन्यास
परिवेश-चिन्तन | ५४ | : | हेमेन्द्र पानेरी |
| १०. समकालीन हिन्दी उपन्यास की
दिशा | ६१ | : | नरेन्द्र चतुर्वेदी |

कविताएँ

११.	साक्रिन बस्ती पाल	६६ :	प्रियदर्शी ठाकुर
१२.	वे लोग	६८ :	अनिलकुमार गंगल
१३.	आह्वान	७० :	मौना गुलाटी
१४.	एक समकालीन वक्तव्य	७१ :	राजकुमार सैनी
१५.	अमृत-त्याग	७२ :	कैलाश जोशी
१६.	मजहबी शंहशाहों से	७३ :	कमर मेवाड़ी
१७.	मुट्ठियाँ बंधी हुई	७५ :	ईश्वर शर्मा
१८.	उस वक्त	७६ :	पूर्णन्दु

उपन्यास-अंश

१९.	एक था केशोराम	७८ :	सुदर्शन नारंग
-----	---------------	------	---------------

पुस्तक-समीक्षा

२०.	दस चेहरे	९० :	रामदेव आचार्य
-----	----------	------	---------------

राजस्थान के अंचलों से

२१.	अजमेर : पुस्तक-विमोचन-समारोह	:	प्रफुल्ल प्रभाकर एवं
२२.	एक शाम शरत् के नाम	९३ :	विजय चतुर्वेदी
२३.	जोधपुर : कबीर-जयन्ती-समारोह	९४ :	यशपाल सिधवी

सांस्थानिक गतिविधियाँ

२४.	यशपाल जैन के सम्मान में	९४ :	यशपाल सिधवी
२५.	रचनाकारों के सप्त्क-सूत्र	९५ :	

आवरण—शिल्पी परमानंद चोयल

शुल्क

वार्षिक	-	१५ रु०
एक प्रति	-	१.५० रु०
लेखकीय ग्राहक शुल्क	-	१० रु०